

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II---ल॰ड 3---उपसण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राविकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 228∫ No. 228] नई विल्ली, सोमवार, जून 25, 1973/ग्राषाइ 4, 1895

NEW DELHI, MONDAY, JUNE 25, 1973/ASADHA 4, 1895

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संस्था वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Personnel I Section)

ORDER

New Delhi, the 25th June 1973

- S.O. 353(E).—Whereas the Central Government is of opinion that for the purposes specified in clause (i) and clause (ii) of sub-section (1) of section 139 of the Border Security Force Act, 1968 (47 of 1968),—
 - (a) an officer of the rank corresponding to that of the lowest rank of members of the Force is empowered under the Code of Criminal Procedure, 1898 (5 of 1898), to exercise the powers and discharge the duties under sections 47, 48, 49, 51 53 54, 149, 150, 151 and 152 of the said Code;
 - (b) an officer of a rank corresponding to or lower than that of officers and subordinate officers of the Force is empowered under the said Code to exercise the powers and discharge the duties under sections 55, 102, 103 and 131 thereof;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 139 of the Border Security Force Act, 1968 (47 of 1968), the Central Government hereby directs that for the purposes referred to in clause (i) and clause (ii) of that sub-section.—

- (a) any member of the Force may within the local limits of the areas specified in the Schedule hereto annexed exercise the powers and discharge the duties under sections 47, 48, 49, 51, 53, 54, 149, 150, 151 and 152 of the Code of Criminal Procedure, 1898 (5 of 1898);
- (b) any officer or subordinate officer of the Force may within the local limits of the areas specified in the said Schedule exercise the powers and discharge the duties under sections 55, 102, 103 and 131 of the said Code,

 The Schedule

The whole of the area comprised in the States of MEGHALAYA and NAGA-LAND and in the Union Territory of MIZORAM.

[No. F. 4(13)/73-CLO/BSF/PERS-I.]

C. G. SOMIAH, Jt. Secy.

गृह मंत्रालय (कार्मिक I ग्रनुभाग) ग्रादेश

नई दिल्ली, 25 जून, 1973

काठ ग्राठ 353 (ग्र).—यत. केन्द्रीय सरकार की राय है कि सीमा सुरक्षा बल ग्रिधिनियम, 1968 (1968 का 47) की धारा 139 की उपधारा (1) के खंड (i) ग्रीर खंड (ii) में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए.~~

- (क) बल के निम्नतम रैंक के सदस्यों के तत्समान रैंक का श्रधिकारी दंड प्रिक्रिया संहिता, 1898 (1898 का 5) के श्रधीन उक्त संहिता की धारा 47, 48, 49, 51, 53, 54, 149, 150, 151 श्रीर 152 के श्रधीन शक्तियों का प्रयोग करने श्रीर कर्त्तियों का निर्यहन करने के लिए सशंक्त है;
- (ख) बल के श्रधिकारी और श्रधीनस्थ श्रधिकारी के तत्समान या निम्नतर रैंक का श्रधि-कारी उक्त संहिता के श्रधीन उसकी धारा 55, 102, 103 श्रौर 131 के श्रधीन शक्तियों का प्रयोग करने श्रौर कर्त्तव्यो का निर्वहन करने के लिए सशक्त है ;

श्रतः, ग्रब, सीमा सुरक्षा बल श्रधिनियम, 1968 (1968 का 47) की धारा 139 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार निदेण देती है कि उस उपधारा के खंड (i) श्रौर खंड (ii) में निर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए,—

- (क) दल का कोई सदस्य, इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में विनिदिष्ट क्षेत्रों की स्थानीय सीमाग्रों के भीतर वंड प्रक्रिया संहिता, 1898 (1898 का 5) की धारा 47, 48, 49, 51, 53, 54, 149, 150, 151 श्रीर 152 के श्रधीन णक्तियों का प्रयोग श्रीर कर्त्तंब्यों का निर्वहन कर सकेगा;
- (ख) बल का कोई श्रधिकारी या श्रधीनस्थ श्रधिकारी उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट क्षेत्रों की स्थानीय सीमाश्रों के भीतर उक्त संहिता की धारा 55, 102, 103 श्रीर 131 के श्रधीन मिक्तयों का प्रयोग श्रीर कर्तें ब्यों का निर्वहन कर सकेगा।

ग्रनुसूची